संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान (दिल्ली)

एवं

श्री बाबूलाल महाविद्यालय, गोवर्धन, मथुरा, उत्तरप्रदेश

के संयुक्त तत्त्वाधान में

आयोजित

अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस

के उपलक्ष में

अन्ताराष्ट्रिय ई-संगोष्ठी

विषय :

विकसित भारत 2047 @ उसका मूलाधार योग

दिनाङ्कः 20-06-26

दिनः शनिवार

समयः प्रातः 10 बजे से

स्थान : गूगल मीट - https://meet.google.com/smx-rktr-odi

शोधपत्र आमन्त्रण

संगोष्ठी के मुख्य विषय एवं उपविषयों पर आधारित शोध-पत्र आमंत्रित हैं।

शोधपत्र अधिकतम 3000 से 5000 शब्द Word format में भेजने की अन्तिम तिथि 15 जून, 2026 तक शोधपत्र प्रेषित करने का माध्यम-संस्कृत, हिंदी अथवा अंग्रेजी भाषा फ़ॉन्ट साइज- हिन्दी और संस्कृत भाषा यूनिकोड फ़ॉन्ट 14 एवं अंग्रेजी भाषा Times New Roman फॉन्ट साइज 12 Pt.

समीक्षक-मंडल द्वारा चयनित शोधपत्रों को ISBN पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

शोधपत्र सारांश निम्नलिखित ई-मेल पर भेजें -

yogaconference2026@gmail.com

शोधपत्र-सारांश भेजने कीअंतिम तिथि-10-06-2026

संपूर्ण शोधपत्र भेजने की अंतिम तिथि : 15-06-2026

पंजीकरण शुल्क संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान न्यास के प्रति देय है।

UPI ID- 8905479855@sbi

अकाउंट नंबर : 43002931971
बैंक: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (State Bank of India)
IFSC - SBIN0031065

शुल्क : अध्यापक वर्ग- 200/-
शोध छात्र एवं परास्नातक छात्र- 100/-
अन्य - 100/-

पंजीकरण

प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण अनिवार्य है।

पंजीकरण करने की अंतिम तिथि : 10-06-2026

लिंक: https://forms.gle/z3Vq3utck6HWkphy5

उपविषय

1. विकसित भारत @2047 का दार्शनिक एवं आध्यात्मिक आधार

-पुरुषार्थ चतुष्टय और आधुनिक राष्ट्र-निर्माण
-योग-दर्शन और आत्मनिर्भर भारत
-वसुधैव कुटुम्बकम् एवं वैश्विक नेतृत्व
-भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) और राष्ट्रीय अस्मिता
-आध्यात्मिकता एवं सतत विकास का संबंध

2. मानसिक स्वास्थ्य, चित्त-प्रसादन और क्लेश-निवारण

-चित्त-वृत्ति निरोध और मानसिक संतुलन
-अभ्यास-वैराग्य द्वारा तनाव प्रबंधन
-क्लेश सिद्धान्त और आधुनिक मनोविज्ञान
-प्रतिपक्ष-भावना और सकारात्मक मनोविज्ञान
-युवाओं में मानसिक दृढ़ता (Resilience) का विकास

3. शिक्षा, संज्ञानात्मक विकास और NEP 2020

-स्वाध्याय और आजीवन अधिगम (Lifelong Learning)
-धारणा एवं ध्यान से स्मृति-विकास
-योग-सूत्र और नैतिक शिक्षा
-NEP 2020 में IKS का एकीकरण
-ध्यान आधारित शिक्षण-पद्धति (Meditative Pedagogy)

4. युवा सशक्तीकरण और व्यक्तित्व विकास

-योगानुष्ठान और व्यक्तित्व का समग्र विकास
-विवेक-ख्याति और निर्णय क्षमता
-ब्रह्मचर्य और ऊर्जा-संरक्षण
-संयम (धारणा-ध्यान-समाधि) और नेतृत्व कौशल
-चरित्र-निर्माण में योग की भूमिका

5. स्वास्थ्य, प्रिवेंटिव केयर और एकीकृत चिकित्सा

-प्राणायाम और रोग-प्रतिरोधक क्षमता
-आसन और शारीरिक स्वास्थ्य का वैज्ञानिक अध्ययन
-क्रिया-योग और जीवनशैली विकार
-आयुष-योग एकीकरण
-हेयं दुःखमनागतम् और प्रिवेंटिव हेल्थकेयर

6. सामाजिक नैतिकता, सुशासन और योगिक मूल्य

-यम-नियम और नैतिक समाज
-अहिंसा एवं विश्व शांति
-सत्य-अस्तेय-अपरिग्रह और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन
-संतोष और सामाजिक संतुलन
-ईश्वर-प्रणिधान और कर्तव्य-बोध

7.विज्ञान, चेतना और प्रौद्योगिकी

-न्यूरोसाइंस और ध्यान (Meditation Research)
-डिजिटल डिटॉक्स और प्रत्याहार
-AI युग में विवेक-ख्याति
-सोशल मीडिया एवं यौगिक क्षमताएँ

8. पर्यावरण, सतत विकास और यौगिक जीवनशैली

-प्रकृति-पुरुष संतुलन और पर्यावरण
-मिताहार और सतत जीवनशैली
-शौच और स्वच्छता अभियान
-यौगिक कृषि और प्राकृतिक खेती
-जलवायु परिवर्तन और यौगिक दृष्टि

9. अर्थव्यवस्था, योग-टूरिज्म और सॉफ्ट पावर

-योगः कर्मसु कौशलम् और कार्य-कुशलता
-योग-टूरिज्म और वेलनेस इंडस्ट्री
-भारत की सॉफ्ट पावर और योग
-वैश्विक वेलनेस इंडेक्स में भारत

10. शोध, नवाचार और योग-दर्शन का समकालीन पुनर्पाठ

-संयम और डीप वर्क (Deep Work)
-सूत्र-शैली और आधुनिक अकादमिक लेखन
-संस्कार-परिमार्जन और व्यक्तित्व विकास
-योग-दर्शन और पाश्चात्य मनोविज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन
-कैवल्य और मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य

मूल विषय की भावना के अनुरूप इसी प्रकार के अन्य उपविषय भी स्वीकार्य हैं।

मुख्य संरक्षक

प्रो. राधागोविंद त्रिपाठी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान

संरक्षक

श्री नन्द कुमार शर्मा,
निदेशक
श्री बाबूलाल महाविद्यालय, गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश

संरक्षक मण्डल

प्रो.कान्ता भाटिया
प्रो.अन्जूसेठ
प्रो. ओमनाथ बिमली
प्रो.हृषिकेश दलाई
प्रो.धर्मानन्द राउत

परामर्शक मण्डल

प्रो.परमानन्द भारद्वाज
प्रो. सुजाता त्रिपाठी
श्री अरुण कुमार मंगल
श्री दिनेश कुमार वर्मा

आयोजन अध्यक्ष

प्रो.मीरा द्विवेदी

आयोजन उपाध्यक्ष

प्रो. विजय गर्ग

आयोजन सचिव

डॉ. लीविस कुलश्रेष्ठ

समन्वयिका

डॉ. मोनिका मिश्रा

संयोजिका

डॉ.सुनीता अटल

सहसंयोजिका

डॉ. लक्ष्मी मिश्रा
डॉ. ऋतिका

आयोजन समिति

प्रो वंदना सूरज भान
प्रो हनुमान मिश्रा
डॉ. करुणा आर्या
डॉ. सरिता यजुर्वेदी
डॉ. सोमवीर
डॉ.धीरज कौशिक
डॉ. कुलदीप कुमार
श्री. रामराज मीणा

सुश्री कणिका
श्री भरत आर्य
सुश्री कात्यायनी
श्री अंकित
सुश्री दृष्टि
सुश्री रागिनी
सुश्री सुरभि

संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान

उद्देश्य -

- भारतीय संस्कृति का विश्व पटल पर प्रचार प्रसार करना।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली को जन जन तक पहुंचाना।
- भारतीय संस्कारों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय संस्कृति और सभ्यता से विरक्त जनमानुष को पुनः भारतीय संस्कृति के प्रति जोड़ना।
- वैदिक कालीन भारतीय संस्कृति के विषय में अवगत कराना।
- छात्रों में संस्कारों का विकास करना।
- भारतीय संस्कृति युक्त कार्यक्रम आयोजित करना।

कार्य-

- छात्रों को निःशुल्क शिक्षण प्रदान करना।
- संस्कार शालाओं का आयोजन करना।
- संस्कृत व्यवहार शिविरों का आयोजन करना।
- आध्यात्मिक कार्यक्रम कराना।
- भारतीय संस्कृति के महत्व को जन जन तक पहुंचाने के लिए व्याख्यानमालाओं का आयोजन करना।
- भारतीय संस्कृति के संरक्षण में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए समय-समय पर विदुषी सम्मेलन कराना।
- राष्ट्रीय एवं अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन आयोजित करना।
- राष्ट्रीय एवं अन्ताराष्ट्रिय स्तर पर संगोष्ठी आयोजित करना।
- संस्कृत और भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए जिन महानुभावों ने सर्वाधिक कार्य किया है, उनको सम्मानित करना।
- छात्राओं को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करना।
- संस्कृत के प्रति छात्रों और समाज के प्रत्येक नागरिक की रुचि उत्पन्न करना।
- संस्कृत भाषा को जन-जन की भाषा बनाना है।
- कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- शास्त्रार्थ सभा, शास्त्रार्थ प्रतियोगिता एवं शास्त्रार्थ गोष्ठी आयोजित करना।

संस्थान के वर्तमान कार्य-

- शिक्षाप्रियदर्शिनी अन्ताराष्ट्रिया शोध पत्रिका का निःशुल्क प्रकाशन।
- संस्कृत-संस्कृति-संवाहिका नामक षाण्मासिक समाचार पत्र का निरन्तर प्रकाशन।
- निःशुल्क पुस्तक प्रकाशन ।
- भव्य गुरुकुल निर्माणाधीन, गोवर्धन, मथुरा (उत्तर प्रदेश) ।
- भव्य गुरुकुल निर्माणधीन, बाड़ी, धौलपुर (राजस्थान)।

विशिष्ट उपलब्धियाँ:

- वर्ष 2022 अप्रैल मास में राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न।
- वर्ष 2022 जुलाई मास में त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न।
- वर्ष 2023 जून मास में अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न।
- वर्ष 2024 नवंबर मास में अन्तराष्ट्रिय संस्कृत विदुषी सम्मेलन सम्पन्न।
- वर्ष 2025 मार्च मास में तिरुपति आंध्रप्रदेश में द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी सम्पन्न ।
- 'शिखर की साधना' मासिक व्याख्यानमाला का निरन्तर आयोजन।
- संस्कृत-संस्कृति संरक्षण मासिक व्याख्यानमाला का निरन्तर आयोजन।
- वर्ष 2025 सितंबर मास में हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली में एकदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी सम्पन्न।
- निरान्तर संचालित गौ सेवा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम।
- वर्ष 2026 जनवरी मास में कमलानेहरू महाविद्यालय, दिल्ली में अन्ताराष्ट्रिय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न।
- 20 फरवरी, 2026 को भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम सम्पन्न ।
- 20 फरवरी, 2026 संस्कृत संस्कृति समागम कार्यक्रम सम्पन्न ।

संस्थान द्वारा प्रकाशित प्रकाशन -

- शिक्षायतनम् (रविशंकरगौरवम्)
- संस्कृतसंस्कृतिमञ्जूषा
- श्री राममहिमकाव्यम्
- भारतीय साहित्य, संस्कृति और दर्शन कतिपय विमर्श
- यजीयमंत्रप्रक्रिया
- शिक्षाप्रियदर्शिनी - अन्ताराष्ट्रिया शोध-पत्रिका के- 22 अंक प्रकाशित
- संक्षिप्त हवन पद्धति
- नारी विमर्श, वैदिक और आधुनिक संदर्भ में
- संस्कृत संस्कृति संवाहिका समाचार पत्र का निरंतर प्रकाशन

संपर्कसूत्र

डॉ. मोनिका मिश्रा - 9999105934

डॉ. सुनीता अटल -8800285093